

(b) The number of posts considered justified on 1-7-80 are:—

L.D.C.	131
U.D.Cs (Designated as Sr/Junior Accounts)	293
Class IV	53

(c) Yes, Sir. There is heavy shortage of staff in each cadre on account of (i) lack of departmental examination qualified candidates (ii) Inadequate number of candidates recommended by Staff Selection Commission (iii) Ban on filling up Class IV posts for a long time. Ban has been relaxed recently. The matter was taken up at the highest level in Staff Selection Commission and they have assured early filling up of the vacancies. For Class IV posts Employment Exchange was contacted. Candidates have been sponsored and case is being processed for early appointments.

Pension to Railway Employees from postal Accounts, Patna

5872. SHRI RAMAVATAR SHASTRI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that as per revised instructions, Railway employees may get their pension from the Post Office of their choice;

(b) whether it is a fact that series of such cases of the Railway employees are languishing in the office of the Deputy Director, Postal Accounts, Patna; and

(c) if so, the number of such pending cases for more than one month, three months and six months and over may be furnished separately indicating the reasons for such detention and ways and means to ensure their clearance as well?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) Yes, Sir.

(b) A part of the pension cases received in the last quarter is pending.

(c) 206 cases are pending for more than one month, but none for more than three months.

The reasons for the pendency are:—

(1) Very heavy receipt of Railway pension revision and commutation cases during the quarter.

(2) Shortage of staff in the office.

Steps have been taken to clear the pending cases by 31st July, 1980.

भण्डारों में पड़े हुए उर्वरकों पर मूल्य वृद्धि का प्रभाव

5873. श्री सत्यनारायण जाटिया : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रत्येक किस्म के उर्वरकों के मूल्यों में हाल ही में वृद्धि की गई है और यदि हां, तो कितनी वृद्धि की गई है ;

(ख) क्या मूल्य वृद्धि उर्वरकों के नये उत्पादन पर लागू होगी अथवा पुराने भण्डारों को भी नये मूल्यों पर बेचने की अनुमति दे दी गई है ; और

(ग) क्या "एपेक्स" एक स्वतन्त्र व्यापारिक संस्था है अथवा सरकार के अधीन है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर. वी. स्वामीनाथन) : (क) 8-6-80 से पूर्व उर्वरकों की कीमतों, 8-6-80 से संशोधित कीमतों और वृद्धि की मात्रा को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है ।

(ख) संशोधित कीमतें 8-6-80 से लागू हैं, चाहे इन उर्वरकों की उत्पादन की अवधि कोई भी हो ।

(ग) ऐसा अनुमान है कि माननीय सदस्य का "एपेक्स" शब्द से मतलब एपेक्स सहकारी विपणन संघ से है । यदि यह अनुमान ठीक है तो, स्थिति यह है कि ऐसे सहकारी संघों का नियंत्रण अपने उप-नियमों और सम्बद्ध अधिनियम से होता है ।

विवरण

(रुपये प्रति मीटर टन)

क्रम	संख्या	उर्वरक का नाम	7-6-1980 को मूल्य	8-6-80 से संशोधित मूल्य	पूर्ण रूप से वृद्धि
1		2	3	4	5
1	यूरिया	.	1450	2000	550
2	डी ए पी (18-46-0)	.	2200	3050	850
3	17-17-17	.	1600	2200	600
4	15-15-15	.	1300	1800	500
5	19-19-19	.	1800	2500	700
6	20-20-0 (एपीएस)	.	1600	2200	600
7	20-20-0 (एन पी)	.	1500	2050	550
8	16-20-0	.	1400	1950	550
9	24-24-0	.	1900	2600	700
10	28-28-0	.	2200	3050	850
11	14-28-14	.	1900	2600	700
12	10-26-26	.	1800	2500	700
13	14-35-14	.	2100	2900	800
14	12-32-16	.	2000	2750	750
15	टी एस पी (दानेदार)	.	1600	2200	600
16	टी एम पी (चूर्ण)	.	1500	2050	550
17	एम ओ पी (60 प्रतिशत के ओ 2)	.	805	1100	295
18	सल्फेट ग्राफ पोटाश	.	1295	1800	505

संस्कृत विश्वविद्यालय

5874. श्री सत्यनारायण जाटिया : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कुल कितने संस्कृत विश्व-विद्यालय हैं और केन्द्र सरकार द्वारा कितने संस्कृत विश्वविद्यालय चलाये जा रहे हैं और वे कहाँ कहाँ पर स्थित हैं ;

(ख) क्या सरकार ने संस्कृत के संवर्धन के लिये विशेष योजना अथवा कार्यक्रम तैयार किया है ;

(ग) क्या संस्कृत को सीखने और समझने के लिए आकाशवाणी से संस्कृत पाठों का प्रसारण किया जाता है ; और

(घ) क्या सरकार विश्व संस्कृत प्रतिष्ठानम पाण्डिचैरी को संस्कृत के प्रचार तथा अध्ययन के लिए कोई सहायता दे रही है ?